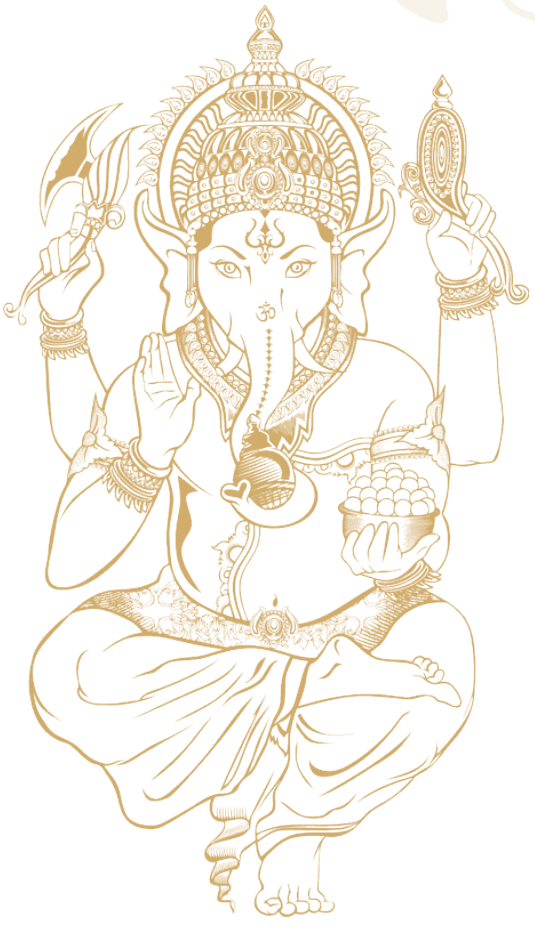

Yogesh kumar

Pooja

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121850503

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22/04/1992	जन्म तिथि	22-23/08/1995
बुधवार	दिन	मंगल-बुधवार
घंटे 11:30:00	जन्म समय	03:20:00 घंटे
घटी 14:05:41	जन्म समय(घटी)	53:28:24 घटी
India	देश	India
Rewari	स्थान	Rewari
28:11:00 उत्तर	अक्षांश	28:11:00 उत्तर
76:37:00 पूर्व	रेखांश	76:37:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:32	स्थानिक संस्कार	-00:23:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:51:43	सूर्योदय	05:56:38
18:52:14	सूर्यास्त	18:55:56
23:45:15	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:56

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 2वर्ष 0मा 10दि	03:06:28	कर्क	लग्न	कर्क	01:04:43	गुरु 6वर्ष 6मा 10दि
चन्द्र	08:36:19	मेष	सूर्य	सिंह	05:31:43	बुध
03/05/2020	09:28:04	धनु	चंद्र	मिथु	27:53:30	03/03/2021
03/05/2030	25:43:58	कुंभ	मंगल	कन्या	26:12:06	04/03/2038
चन्द्र 03/03/2021	11:27:56	मीन	बुध	सिंह	27:27:58	बुध 31/07/2023
मंगल 02/10/2021	10:59:27	सिंह व	गुरु	वृश्चि	12:20:55	केतु 27/07/2024
राहु 03/04/2023	24:40:03	मीन	शुक्र	सिंह	06:03:09	शुक्र 28/05/2027
गुरु 02/08/2024	23:40:33	मक	शनि व	कुंभ	29:12:48	सूर्य 03/04/2028
शनि 03/03/2026	08:39:23	धनु	राहु व	तुला	04:37:24	चन्द्र 02/09/2029
बुध 03/08/2027	08:39:23	मिथु	केतु व	मेष	04:37:24	मंगल 30/08/2030
केतु 03/03/2028	24:15:43	धनु व	हर्ष व	मक	03:29:46	राहु 19/03/2033
शुक्र 02/11/2029	25:12:10	धनु व	नेप व	धनु	29:27:06	गुरु 25/06/2035
सूर्य 03/05/2030	28:21:25	तुला व	प्लूटो	वृश्चि	04:04:29	शनि 04/03/2038

लग्न-चलित

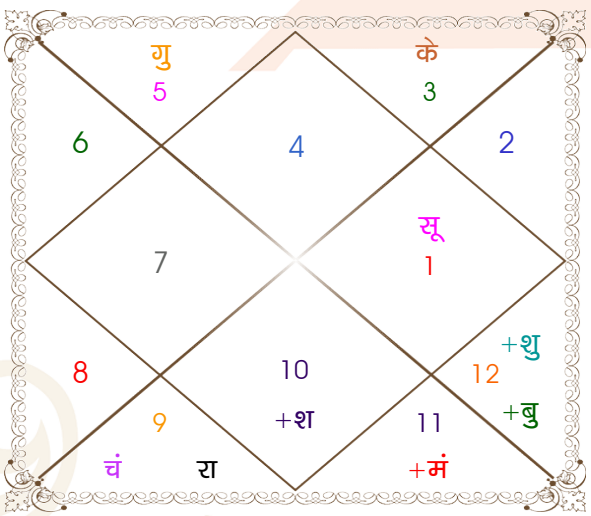

लग्न-चलित

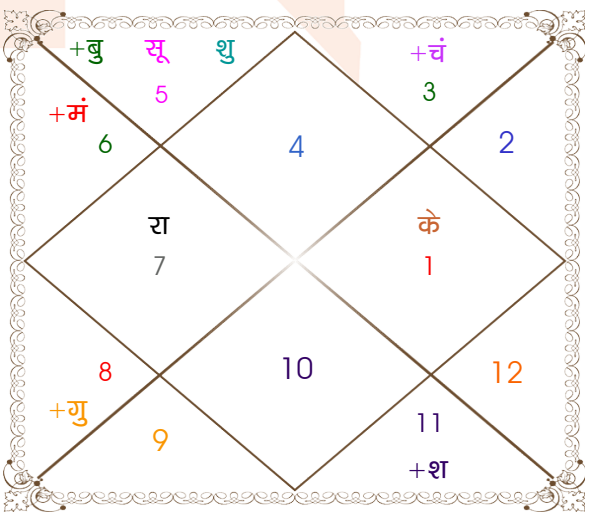

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	मार्जार	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	14.00		

ल्वहमेी ानउंत का वर्ग मूषक है तथा च्ववरं का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ल्वहमेी ानउंत और च्ववरं का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

ल्वहमेी ानउंत मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल ल्वहमेी ानउंत कि कुण्डली में अष्टम् भाव में कुम्भ राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

च्ववरं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि च्ववरं कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल च्ववरं कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ल्वहमेी ानउंत तथा च्ववरं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।